[पटना] बुधवार, 1 मई 2024 । मूल्य 5.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 5, अंक: 118] www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

अनमोल वचन

जीवन का आनंद लें, अपने आप को आप को हल्का महसूस करें, खुश रहें और चीजो के बारे में इतना न सोचें।

- केनेथ ब्रानाघ

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

रैयतों के आक्रोश के बीच खाली ... 3

www.bordernewsmirror.com

4 बेतिया से संजय जायसवाल ने ...

छत्तीसगढ़: मुठभेड़ में 3 महिलाओं समेत 10 नक्सली ढेर

घटनास्थल से एके 47 व इंसास राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

बीएनएम@नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में मंगलवार सुबह हुई चार घंटे की मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में तीन महिला नक्सली समेत 10 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही एके 47, इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। बस्तर आईजी सुददराज पी. ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। आज सुबह करीब छह बजे ग्राम टेकमेटा एवं काकूर के मध्य जंगल में डीआरजी एवं एसटीएफ जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ जो लगभग चार घंटे चली। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में नक्सलियों के शव और हथियार मिले हैं। इसस पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के ग्राम टेकामेटा इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों के बड़े कैडर की मौजूदगी है। सूचना के आधार पर सोमवार देर रात डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम को सर्चिंग अभियान के लिए रवाना किया गया था। जवान मंगलवार की सुबह जब टेकमेटा एवं काकूर के मध्य जंगल में पहुंचे तो यहां नक्सलियों ने उन्हें देखते ही फायर खोल दिया। जवानों ने जवाबी कार्यवाही में 02 महिला नक्सली सहित कुल 07 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मारे गये 07 नक्सलियों के शव बरामद किये गय हैं, जिसकी शिनाख्त की जा रही है।

बाबा रामदेव के खिलाफ अदालती कार्यवाही पर

आईएमए अध्यक्ष के मीडिया में दिए बयान से सुप्रीम कोर्ट नाराज

बीएनएम@नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों से उत्पन्न अदालती कार्यवाही के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष डॉ आर वी अशोकन की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया और मंगलवार को उसके अधिवक्ता से कहा कि आप यह कैसे तय करेंगे कि हमें अपनी कार्यवाही किस तरह से करनी चाहिए। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने मौखिक रूप से यह टिप्पणी करते हुए बाबा रामदेव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को इस मामले में वर्तमान आईएमए अध्यक्ष डॉ अशोकन द्वारा मीडिया के समक्ष दिए गए बयानों को अदालत के रिकॉर्ड पर लाने की अनुमति दी। पीठ ने आईएमए के वकील से मौखिक रूप से कहा,

"आप यह कैसे तय करेंगे कि हमें अपनी कार्यवाही किस तरह से करनी चाहिए।" न्यायमूर्ति कोहली की पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख मुकर्रर करते हुए श्री रोहतगी को दो दिनों के भीतर इस संबंध में (बयान) एक आवेदन दाखिल करने की अनुमति देते हुए कहा, 'हम इस मुद्दे से अलग से निपटेंगे।' इससे पहले पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रोहतगी ने आईएमए अध्यक्ष के हवाले वाली खबरों को सामने लाने लाने की मांग करते हुए कहा कि ये अदालती कार्यवाही पर "दुर्भाग्यपूर्ण" और "परेशान करने वाली" टिप्पणियां हैं। पीठ ने श्री रोहतगी की दलील पर जवाब देते हुए पीठ ने आईएमए के अधिवक्ता से कहा, "यह सबसे गंभीर बात होगी...परिणामों के लिए तैयार रहें।" समाचार रिपोर्ट में डाक्टर अशोकन के हवाले से कहा गया कि यह "दुर्भाग्यपूर्ण" है कि उच्चतम न्यायालय ने आईएमए और निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की प्रथाओं की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया, 'अस्पष्ट और सामान्यीकृत बयानों' ने निजी डॉक्टरों को हतोत्साहित कर दिया है। खबरों में आईएम अध्यक्ष के ये बयान, "हम ईमानदारी से मानते हैं कि उन्हें (शीर्ष अदालत को) यह देखने की जरूरत है कि उनके सामने क्या सामग्री थी। उन्होंने शायद इस बात पर विचार नहीं किया कि यह वह मुद्दा नहीं था जो (अदालत में) उनके सामने था... उच्चतम न्यायालय को इस पर विचार करना शोभा नहीं देता है, जिसने आखिरकार कोविड युद्ध के लिए इतने सारे लोगों की जान कुर्बान कर दी। शीर्ष अदालत ने अवमानना कार्यवाही का सामना कर रहे बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को अपने आचरण के संबंध में की गई सार्वजनिक माफी को उजागर करने वाले समाचार पत्र दाखिल करने की अनुमति दी। उच्चतम न्यायालय ने उत्तराखंड सरकार के संयुक्त निदेशक (उत्तराखंड लाइसेंसिंग प्राधिकरण) मिथिलेश कुमार की ओर से दायर एक हलफनामे पर भी आपत्ति जताई।

केजरीवाल और 'आप' बिना डगमगाये कठिन समय का सामना करेंगे: मान

बीएनएम@नयी दिल्ली

पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को तिहाड़ जेल में 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

श्री मान ने मुलाकात के बाद मीडिया से कहा कि श्री केजरीवाल ने उनसे पंजाब के लोगों को दी जा रही सभी सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि क्या आचार संहिता या केंद्र सरकार के दबाव के कारण उन्हें कोई परेशानी तो नहीं हो रही है। उन्होंने श्री केजरीवाल से कहा कि सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। वह अपने हिस्से का 130 लाख टन गेहूं केंद्र को देने को तैयार हैं। किसानों को समय पर भुगतान हो रहा है।

अयोध्या मेंआज रामलला का दर्शन करेंगी राष्ट्रपति मुर्मु

बीएनएम@नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन तथा पूजा अर्चना करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राष्ट्रपति सबसे पहले श्री हनुमान गढी मंदिर में दर्शन करेंगी तथा आरती में शामिल होंगी। इसके बाद वह प्रभु श्री राम मंदिर और कुबेर टीला भी जायेंगी। राष्ट्रपति सरयू पुजन और आरती में भी हिस्सा लेंगी। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद राष्ट्रपति का यह पहला अयोध्या दौरा है।

प्रज्जवल रेवन्ना जेडी (एस) से निष्कासित

बीएनएम@नई दिल्ली

कर्नाटक की हासन सीट से सांसद प्रज्जवल रेवन्ना को आज जनता दल (सेक्यूलर) से कथित 'यौन उत्पीड़न' मामले में निष्कासित कर दिया गया। कर्नाटक की क्षेत्रीय पार्टी की टिकट पर वे इसी सीट से चुनावी मैदान में भी हैं। 26 अप्रैल को सीट पर मतदान हुआ था, जिसके एक दिन पहले रेवन्ना के कुछ अश्लील वीडियो वायरल हुए थे। जेडीएस की कोर कमेटी की आज बैठक में यह निर्णय लिया। पार्टी नेता एचडी कुमार स्वामी ने पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी रेवन्ना पर कोई सीधा आरोप नहीं लगा है, केवल संदेह की स्थिति है। हालांकि संदेह के आधार पर ही पार्टी से उन्हें निष्कासित करने की सिफारिश की गई। इसे पार्टी अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा ने स्वीकार कर लिया।

एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

बीएनएम@नयी दिल्ली

एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मंगलवार को यहां 26वें नौसेना प्रमुख के रूप में भारतीय नौसेना की कमान संभाली। उन्हें एडमिरल आर हरि कुमार के स्थान पर नया नौसेना प्रमुख बनाया गया है जो नौसेना में लंबे और शानदार करियर के बाद सेवानिवृत्त हो गये। इससे पहले एडमिरल त्रिपाठी नौसेना के उप प्रमुख थे। नौसेना की कमान संभालने के बाद उन्होंने कहा कि वह नौसेना को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस करने की दिशा में कार्य करेंगे और नौसेना सदैव राष्ट्र प्रथम के मंत्र पर कार्य करते हुए सुभी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहेगी। उन्होंने कहा,– भारतीय नौसेना का छब्बीसवां नौसेना अध्यक्ष बनने पर मुझे अत्यंत गर्व और सम्मान की अनुभूति हो रही है। मुझसे पहले पच्चीस नौसेना

अध्यक्षों ने अपनी कर्मठता और समर्पण से हमारी नौसेना को युद्ध तत्पर, विश्वसनीय, सुगठित और भविष्य की ताकत बनाई है। मेरा प्रयास रहेगा कि मैं भारतीय नौसेना को और आत्मनिर्भर, मजबूत तथा प्रौद्योगिकी से लैस बनाऊँ। मेरी पूरी कोशिश रहेगी भारतीय नौसेना, हमारे देश के समुद्री हित और समुद्री रक्षा दोनों पर हरदम खरी उतरे – कभी भी, कहीं भी, कैसे भी।

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत बालूमामा और हर-हर महादेव का नारा लगाया

बीएनएम@मुंबई

भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को सोलापुर जिले के मालशिरस में चुनावी सभा में महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत बालूमामा और हर-हर महादेव का नारा लगाया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत मराठी भाषा में की। पीएम मोदी ने कहा कि यह वारकरी संप्रदाय की भूमि है और मैं विकसित भारत के लिए आपका आशीर्वाद मांगने आया हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने जितने विकास कार्य 60 वर्षों में नहीं किये, उससे ज्यादा भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में करके दिखाए हैं। हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाई।

हमने लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन दिया। देश में विकास का काम बहुत जोर-शोर से चल रहा है। इसका श्रेय मेरा नहीं, बल्कि उन लोगों को है, जिन्होंने मुझे चुना। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर पर जितना पैसा खर्च किया, उतना हमने 10 साल में खर्च किया है। राकांपा नेता शरद पवार पर तंज कसते हुए कहा कि एक नेता ने 15 साल पहले माढ़ा में पानी देने का वादा किया था। इसके लिए उन्होंने डूबते सूरज की कसम भी खाई थी लेकिन वह नेता अब भी इस इलाके में पानी नहीं पहुंचा सके तो उन्हें दंडित करने का समय आ गया है। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में सरकार बनने के बाद मैंने अपनी सारी ऊर्जा इन सिंचाई परियोजनाओं पर केंद्रित कर दी। हमने कांग्रेस की लंबित 100 परियोजनाओं में से 63 पूरी कर ली हैं। मेरा मिशन हर खेत और हर घर तक पानी पहुंचाना है। चाहे विदर्भ हो या मराठवाड़ा, पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने का ये पाप वर्षों से होता आ रहा है। देश ने कांग्रेस को 60 साल तक देश पर शासन करने का मौका दिया। इन 60 सालों में दुनिया के कई देश पूरी तरह बदल गए लेकिन कांग्रेस किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचा पाई थी।

बंगाल में भाजपा इसबार जीतेगी 35 सीटें : शाह

बीएनएम@कोलकाता

लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के मतदान से पहले केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी जनसभा को संबोधित किया है। बर्दवान जिले के मेमारी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने दावा किया कि इस बार बंगाल में भाजपा कम से कम 30 से 35 सीटें जरूर जीतेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र से जितनी भी धनराशि आती है, सब ममता बनर्जी की पार्टी के नेता खा जाते हैं। उन्होंने संदेशखाली का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला और कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद बंगाल में महिलाओं की दुर्दशा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा कार्यकताओं को मौत के घाट उतारे जाने का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार आएगी यह तय है और जैसे ही आएगी वैसे ही जिन लोगों ने भी हत्या की वारदात को अंजाम दिया है उन्हें पाताल से ढूंढ कर भी सलाखों के पीछे डालेंगे। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस को भ्रष्टाचारियों की पार्टी करार देते हुए कहा कि केंद्र में मोदी की सरकार बनानी होगी और इसके लिए बंगाल में कम से कम 30 से 35 सीटें पार्टी जीतेगी। उन्होंने जनसभा में शामिल हुए लोगों से तृणमूल को हराने और भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील की।

बिहार के भागलपुर में सड़क हादसा, छह लोगों की मौत, तीन घायल

बीएनएम@पटना

बिहार में भागलपुर जिले के कहलगांव मुख्य मार्ग एनएच-80 पर सोमवार देररात घोघा थाना क्षेत्र के आमापुर के पास सड़क दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार छह बारातियों की मौत हो गई। हादसे तीन लोग घायल हो गए। तीनों की हालत गंभीर है। घायलों को भागलपुर के मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एनएच-80 का निर्माण कर रही एजेंसी की जेसीबी और अन्य संसाधनों से मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकाला। इनमें छह की मौत हो चुकी थी। बाकी तीन लोग घायल मिले। घायलों ने स्थानीय लोगों को जो सूचना दी, उसके अनुसार बारात मुंगेर के हवेली खड़गपुर से पीरपैंती के खिदमतपुर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक तीन स्कॉर्पियो से बाराती भागलपुर से कहलगांव की ओर जा रहे थी। विपरीत दिशा से गिट्टी लदा हाईवा आ रहा था। इसी दौरान हाईवा अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो पर पलट गया। बीच में चल रही स्कॉर्पियो पूरी तरह से हाईवा की जद में आ गई। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। घायल कैलाश ने बताया कि लगभग एक घंटे तक वो लोग मलबे में दबे रहे।

नवहट्टा में सीएम नीतीश का चुनावी भाषण

बीएनएम@सहरसा

लोकसभा चुनाव तृतीय चरण का मतदान होने में कुछ ही दिन शेष बचे हैं। जिस कारण सभी राजनीतिक दल जमकर प्रचार कर रहे हैं।भीषण गर्मी एवं तेज धूप के बावजूद राजनीतिक तापमान भी जोरों पर उफान है।इसी कड़ी में मंगलवार को नवहट्टा प्रखंड में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा को संबोधित किया।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नवहट्टा हाई स्कूल मैदान पहुंचे। जहां उन्होंने मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी दिनेशचंद्र यादव के समर्थन में जमकर मतदान करने का आह्वान किया। इस चुनावी सभा के मंच पर ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव, एमएलसी विजय चौधरी,मध्य निषेध एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सादा, पूर्व मंत्री सह विधायक आलोक रंजन झा,महिषी विधायक गुंजेश्वर साह भी मौजूद थे।लोकसभा चुनाव को लेकर तीसरे चरण के तहत 7 मई को मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र में मतदान होना सुनिश्चित है, जिसे देखते हुए मुख्यमंत्री अपने कई मंत्रियों के साथ नवहट्टा हाई स्कूल पहुंच कर एनडीए समर्थित अपने प्रत्याशी दिनेशचंद्र यादव के समर्थन चुनावी सभा को संबोधित किया।साथ ही 7 मई को मतदान के दिन मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र से जेडीयू प्रत्याशी दिनेशचंद्र यादव के पक्ष में वोट डालने के लिए जनता से अपील किया। उन्होंने मुस्लिम वोटरों को साधने के लिए मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई।उन्होंने कहा मुस्लिम समुदाय के लिए कोई नही सोचता था। मदरसा में कोई पढ़ाई नही होती थी। हम लोगों ने मदरसा को सरकारी दर्जा देना का काम किया। उसमें मुस्लिम समाज के लोगों को रोजगार देने के लिए शिक्षक की बहाली किया।उन्हें भी सरकार की तरफ पेमेंट मिल रहा है।कब्रिस्तान की घेरा बन्दी करवाया।जरा आप सोचिए पहले बात-बात पर हिंदू मुस्लिम में कितना झगड़ा झंझट होता था। उस झगड़ा झंझट को खत्म करवाया सभी समुदाय के लोग अब शान्ति से रहने लगे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार ने लालू यादव परिवार पर जमकर बरसते हुए कहा उन्हें सिर्फ अपनी बेटा बेटियों की ही चिंता है।वे अपने बेटा बेटियों को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं।उन्हें बिहार और बिहार वासियों की कोई चिंता नही है।आगे उन्होंने लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा इतना कोई बच्चा पैदा करता है। बताइए नौ गो बाल बच्चा पैदा कर लिया और अब वे पारिवारिक उलझन में फस गए है।अब बेटा बेटी को आगे बढ़ा रहा

है।हम लोग कोई परिवार के लोगों के लिए नही सोचते हैं। पूरा बिहार हमारा परिवार है और हम बिहार के लिए सोचते हैं।इस लिए आपसे सबसे निवेदन है उनके चक्कर मे न फसे 7 मई को मतदान के दिन दिनेशचंद्र यादव के पक्ष में वोट कर के हमे मजबूती प्रदान करे।

शिक्षकों को सैलरी नहीं देने वाले अधिकारियों पर केके पाठक ने की कार्रवाई

बीएनएम@पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने एकबार फिर बड़ी कार्रवाई की है। शिक्षकों को समय पर सैलरी नहीं देने वाले अधिकारियों के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी है। केके पाठक ने सभी संबंधित जिलों के ऊएड और उद्धड के अप्रैल महीने के वेतन के भुगतान पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों (ऊएड) और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (उद्धड) के अप्रैल महीने का वेतन रोक दिया है। दरअसल, बीपीएससी से बहाल शिक्षकों और नियोजित शिक्षकों को समय पर सैलरी नहीं दिये जाने के बाद केके पाठक ने आदेश जारी कर सभी सम्बन्धित डीपीओ और डीईओ के अप्रैल माह के वेतन के भुगतान पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इसे लेकर शिक्षा विभाग के निदेशक सुबोध कुमार चौधरी ने सभी डीईओ और डीपीओ को पत्र भेज दिया है। बता दें कि विगत 29 अप्रैल को केके पाठक ने बीपीएससी से बहाल शिक्षकों के वेतन भुगतान से संबंधित कार्य प्रगति की समीक्षा की थी। जिसमें पाया गया कि बीपीसीएस से बहाल शिक्षकों के साथ-साथ नियोजित शिक्षकों के वेतन का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। इस मामले में कई डीईओ और डीपीओ की लापरवाही सामने आई है। शिक्षा विभाग ने इसे वरीय अधिकारियों के आदेश की अवहेलना मानते हुए सभी डीपीओ और डीईओ को अगले 24 घंटे में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। उनसे यह पूछा गया है कि आपके खिलाफ क्यों नहीं विभागीय कार्यवाही शुरू की जाए? डीपीओ और डीईओ के स्पष्टीकरण पर विभाग को अब फैसला लेना है। तबतक अप्रैल माह के उनके वेतन पर रोक लगी रहेगी।

DEO और DPO के वेतन पर लगाई रोक

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

रैयतों के आक्रोश के बीच खाली कराया गया जमीन

बीएनएम@केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के पूर्वी सुन्दरापुर चट्टी में मंगलवार को अतिक्रमण हटाने गई प्रशासन की टीम को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। दरअसल हाजीपुर–सुगौली रेललाइन परियोजना के लिए रेलवे द्वारा पूर्वी सुन्दरापुर चट्टी में जमीन का अधिग्रहण किया गया है। इस जमीन पर रैयतों का घर है। जिसे हटाने को लेकर कई बार नोटिस भेजा गया। परंतु उक्त जमीन को खाली नहीं किया गया। जिससे रेलवे का कार्य प्रभावित हो रहा था। जिसके बाद मंगलवार को बीडीओ मनीष कुमार, रेलवे के कार्यपालक अभियंता अजीत कुमार, केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, बिजधरी ओपी प्रभारी राजीव कुमार दलबल के साथ अधिग्रहीत जमीन से घर खाली कराने गये। जिस पर रैयतों का गुस्सा बढ़ गया। हालांकि भारी आक्रोश के बीच प्रशासन ने जेसीबी से घर हटवाया। इधर, उमेश राय, कमलेश राय सहित अन्य रैयतों का आरोप है कि रेलवे द्वारा जमीन का पूर्ण भुगतान किये बिना घर उजाड़ा जा रहा है। इन लोगों ने बताया कि करीब एक दर्जन रैयतों का करीब 20 फीसदी भुगतान बाकी है।

पंजाब नेशनल बैंक ग्राहक सेवा केंद्र का हुआ उद्घाटन

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के कोटवा बाजार स्थित मुखिया सत्यदेव राय के मार्केट में मंगलवार को पंजाब नेशनल बैंक ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन संपन्न हुआ। उद्घाटन पूर्व मुखिया सजावल राम,डॉक्टर आलोक रंजन,समिति सदस्य कमलेश साह,राजद प्रखंड अध्यक्ष ई अनिल यादव,डॉक्टर आर. प्रसाद,मुस्लिम अंसारी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुखिया सजावल राम ने लोगो को ग्राहक सेवा केंद्र से जुड़ने का सलाह देते हुए कहा कि आज के परिवेश में बैंको का महत्व काफी बढ़ गया है।विद्यार्थी ,किसान,व्यवसाई आदि सभी वर्ग के लोगों को इस ग्राहक सेवा केंद्र से लाभ मिलेगा।डॉक्टर आलोक रंजन ने कहा कि कृषि ,शिक्षा,पेंशन आदि लाभों के लिए अब अन्य बैंकों का चक्कर लगा नहीं पड़ेगा। ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक मनोज राम ने बताया कि मेरे ग्राहक सेवा केंद्र में जीरो बैलेंस पर खाता खोलने, एपीवाई, पीएमजेजेवाई, पीएमएसबीवाई भी किया जाता है।वही आधार कार्ड एवं एटीएम द्वारा सभी बैंकों का पैसा जमा और निकासी की सुविधा के साथ –साथ सभी प्रकार के ऑन लाइन सुविधा उपलब्ध है।मौके पर धर्मेंद्र कुमार,राजद पंचायत अध्यक्ष गोलू कुमार यादव, अखिलेश यादव, कमलेश यादव, शिक्षक बासुदेव राम, शिक्षक रामबाबू राम,नंद किशोर राम, ज्योतिक राम, शिक्षक आलोक कुमार, पूर्व मुखिया अरविंद पाण्डेय, विजय कुमार यादव, भोला राम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहें।

अचानक लगी आग में 8 लोगों का घर जले, दो मवेशी झुलसे

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के कोटवा थाना क्षेत्रांतर्गत अहिरौलिया पंचायत वार्ड नंबर चार में अचानक लगी आग में आठ लोगो का घर जलने के साथ दो मवेशी भी झुलस गया है।जिसमें एक मवेशी की हालत नाजुक बनी हुई हैं।मिली जानकारी के अनुसार दोपहर में अचानक एक घर से आग का चिंगारी निकलते दिखाई दिया । देखते- देखते आग ने आठ परिवारों का आशियाना को जला कर राख कर दिया। आग में रामचंद्र राय का एक गर्भवती भैंस बुरी तरह जल गया है जिसका स्थिति गंभीर बताई जाती है।वही एक दो साल के भैंस का बच्चा भी झुलस गया है। उसके साथ ही घर में रखे चौकी,बर्तन, कपड़ा,अनाज सहित अन्य सामान बाबूनंद राय का हालर, चक्की, खड़ा मशीन, होंडा मशीन, 50 किलो पानी पटाने वाला पाइप, अनाज, कपड़ा, बर्तन, जरूरी कागजात गोपाल यादव का चारा मशीन, अनाज, बर्तन, कपड़ा, नगदी, फर्नीचर बृजकिशोर राय का साइकिल कपड़ा, बर्तन, फर्नीचर आदि हरदेव यादव का अनाज, बर्तन, कपड़ा, फर्नीचर अरविंद यादव का अनाज, पेटी, कपड़ा, आभूषण, चौकी, नगदी, शिवज्योति कुंअर का चौकी, अनाज बिंदा यादव का अनाज से भरा कोठी, 50 गेहूं का बोझा सहित खाद्य सामग्री जल कर राख हो गया है। स्थानीय थाना द्वारा अग्निशमन की गाड़ी को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची अग्निशमन की गाड़ी एवं दमकल द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। बहरहाल सीओ मोनिका आनंद द्वारा क्षति का आकलन करने के लिए हल्का कर्मचारी संतोष कुमार सिंह को भेजा गया है।

21वीं वाहिनी ने दो दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

बगहा। एसएसबी 21 वीं बटालियन द्वारा कमांडेंट श्रीप्रकाश के नेतृत्व में दो दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया । जिसमे कार्यशाला के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियम के बारे में सभी बलकार्मिको को जागरूक किया गया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वाहिनी के सभी वाह्य सीमा चौकी रामपुरवा, झंडूटोला, चकदहवा, थारी, गंडक बैराज, वाल्मीकि आश्रम, कमारचिनवा एवं शक्तिनाला से सभी बलकार्मिको को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सुरक्षा से सम्बंधित जानकारी हेतु कार्यशाला आयोजित किया गया ।

कोटवा प्रखंड के 188 आँगनबाड़ी केंद्रों पर टीएचआर वितरण

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के कोटवा प्रखंड क्षेत्रांतर्गत 188 आँगनबाड़ी केंद्रों पर टीएचआर वितरण मंगलवार को जिलाधिकारी एवं आईसीडीएस के निर्देश के आलोक में किया गया । टीएचआर वितरण से पहले सेविका केंद्र पर विकास समिति की बैठक बुलाई ।जिसमे सभी लाभुकों को शामिल किया गया ।सेविका ने विकास समिति में टीएचआर वितरण से संबंधित सभी लाभुकों को इसकी जानकारी दी ।विकास समिति की बैठक में सेविका ने लाभुकों को क्रय मूल्य एवं सामग्री की मात्रा की जानकारी दी गई ।बैठक के बाद समिति के देख –रेख में सेविका आंगनबाड़ी केन्द्र पर टीएचआर वितरण किया टीएचआर वितरण में कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूति महिलाओं के बीच सूखा राशन वितरण किया गया ।इस दौरान मौके पर महिला पर्यवेक्षिका स्वेता गौतम, रेणु कुमारी, राज श्री, ज्योति कुमारी अपने –अपने सेक्टर में टीएचआर वितरण का निरीक्षण करती रही ।

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते है : फादर हरमन

बीएनएम@बेतिया

लोयोला बालक मध्य विद्यालय चुहड़ी के शिक्षक रेजीनोल्ड अमर सिंह के सेवानिवृत्ति के अवसर पर मंगलवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति किया गया। वही विद्यालय के सचिव फादर हरमन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अमर सर अपने जीवन के सत्ताईस वर्ष लोयोला स्कूल के विद्यार्थियों को शिक्षा दान में दिया है। किसी भी सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। लेकिन हम सभी जानते है शिक्षक कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होते है क्योंकि वे अपने पूरा जीवन ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए तत्पर रहते है। वही विद्यालय के प्रधानाध्यापक येसुदास ने कहा कि अमर सर विद्यालय में गणित और विज्ञान के शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। ये काफी सरल स्वभाव, मृदुभाषी होने के साथ-साथ, समय के काफी पाबंद और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक रहे है। इनका कार्यकाल काफी शानदार और सम्मान जनक रहा। इनसे शिक्षा ग्रहण कर आज कई विद्यार्थी अलग-अलग जगहों पर सरकारी एवं प्राइवेट नौकरी कर रहें है। उन्होंने कहा लोयोला स्कूल परिवार सदैव अमर सर के योगदान के लिये आभारी रहेगा। वही सेवानिवृत्त शिक्षक अमर सिंह ने कहा मैं अपनी प्रारंभिक शिक्षा इसी विद्यालय से ग्रहण किया हूँ।

चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर रहेगी पैनी नजर : प्रेक्षक

बीएनएम@मोतिहारी

लोकसभा चुनाव को स्वच्छ, पारदर्शी, भय मुक्त एवं प्रलोभन मुक्त संपन्न कराने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा 03-पूर्वी चंपारण एवं 04-शिवहर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षकगण के द्वारा जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चंपारण की उपस्थिति में अभ्यर्थी व्यय अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारी,फ्लाइंग स्क्वायड, स्टेटिक सर्विलांस टीम, अकाउंटिंग टीम, वीडियो भ्युइंग टीम के साथ बैठक कर समीक्षा की गई और आने वाले समय में किए जाने वाले कार्यों के बारे में कई निर्देश दिए। प्रेक्षकों ने बताया कि निर्वाचन में व्यय अनुश्रवण महत्वपूर्ण कार्य है, जिसका निष्पादन कुशलतापूर्वक व सामग्रियों के निर्धारित दर के अनुरूप करना चाहिए। रैली एवं अन्य आयोजनों की सूचना संबंधित टीम को पहले से दे दी जाएगी। टीम के सदस्य निर्धारित तिथि एवं समय पर कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे और स्टेज सहित सभी चीजों/सामग्रियों जैसे- फ्लेक्स बैनर कुर्सी कूलर टेंट पंडाल आदि का बड़ी सावधानी से वीडियोग्राफी कर इसे वीडियो व्यूइंग टीम को भेजें। ताकी इसकी सूची बनाकर अकाउंटिंग टीम को भेजा जा सके फिर निर्धारित दर के अनुरूप व्यय का आकलन किया जाएगा। इस दौरान फ्लाइंग स्क्वॉड और स्टेटिक सर्विलांस टीम भी लगातार सक्रिय रहेगी। एसएसटी की टीम वाहनों के साथ-साथ संदेह होने पर एंबुलेंस की भी सावधानी से जांच करेगी और जांच की पूर्ण वीडियोग्राफी करेगी। सभी टीम प्रतिदिन दिए जाने वाले प्रतिवेदनों को समय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगी।साथ ही पेड न्यूज,सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों में निकलने वाले विज्ञापनों का व्यय भी प्रत्याशी के व्यय खाता में जोड़ा जाएगा।एसपी ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं समारोह पर भी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहन जांच के दौरान दंडाधिकारी एवं पुलिस बल के लोग अपने व्यवहार को अच्छा रखेंगे और धैर्य का परिचय देंगे। सभी लोग समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि नेपाल की तरफ से आने वाली गाड़ियों पर विशेष नजर रखेंगे एवं उसकी गहन जांच करेंगे। वही जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार के चुनाव में निर्वाचन आयोग अभ्यर्थी व्यय को लेकर बहुत गंभीर है। इस कार्य को बड़ी सावधानी के साथ बिल्कुल पारदर्शी तरीके से किया जाना है। डीएम ने बताया कि अधिसूचना जारी होने के साथ ही एसएसटी की टीम सक्रिय हो गई है। सभी 39 चिन्हित स्थानों पर एसएसटी की तीन पालियों में प्रतिनियुक्ति की गई है। मौके पर अपर समाहर्ता,अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं सिकरहना, उप निर्वाचन पदाधिकारी,संयुक्त आयुक्त वाणिज्यकर सह नोडल पदाधिकारी व्यय अनुश्रवण कोषांग सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

इलेक्ट्रिक पोल से टकराया बाईक, एक की मौत, एक हालात गम्भीर

बीएनएम@बगहा

मंगलवार को रफ्तार का कहर बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग पर लक्ष्मीपुर और कोटरहां के बीच देखने को मिला। तेज रफ्तार बाइक दो सवारों ने बगहा की तरफ जाते समय नियंत्रण खोते हुए सड़क किनारे खड़े लोहे के इलेक्ट्रिक पोल से टकराया जिसमे दोनो सवारों को भयंकर चोटें आई है। घटना की सूचना पर सिर्फ 20 मिनट में घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर घायलों को सीएचसी लेकर आई । डॉक्टर संजय सिंह और विकास कुमार ने बताया कि बरवाखुर्द थाना लौकरिया निवासी 40 वर्षीय कमलेश काजी को मरणासन्न स्थिति में बगहा अनुमंडल अस्पताल रेफर कर दिया गया है।जबकि दूसरे घायल उपर्युक्त निवासी रेशम महतो को भी बेहतर इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल रेफर किया गया है । एसआई महेश प्रसाद ने पुष्टि करते हुए बताया कि घायल कमलेश काजी का इलाज दौरान मौत हो गई है।बतादें,क्राइम सिन की स्थिति, अपाची बाइक का एक हैंडल टूटकर दूर जा गिरा है। एक सवार पोल से टकराने के बाद सड़क पर तो दूसरा सड़क किनारे जंगल की तरफ बेसुध पड़ा हुआ था। जिसे तुरन्त अस्पताल लाया गया जहां से घायलों कमलेश और रेशम की स्थिति गम्भीर देखते हुए रेफर किया गया। लेकिन बगहा इलाज के क्रम में कमलेश काजी की मौत हो गई है।

मुजफ्फरपुर से अजय निषाद तो वैशाली से मुन्ना शुक्ला ने भरा पर्चा, दोनों ने एक साथ किया नामांकन

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिला मंगलवार को राजनीतिक हलचल से भरा रहा। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां एक ही दिन इंडी गठबंधन के दो प्रत्याशियों ने मुजफ्फरपुर में अपना नामांकन किया। मंगलवार को वैशाली लोकसभा से राजद प्रत्याशी विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला और मुजफ्फरपुर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय निषाद ने अपना नामांकन किया। इस दौरान दोनों एक साथ नामांकन करने पहुंचे। इससे पहले दोनों शहर के मुजफ्फरपुर क्लब मैदान में आयोजित जन सभा में पहुंचे थे। वहां अजय निषाद ने कहा कि मैं जाती से निषाद हूं। 10 से साल से सांसद हूं, परिस्थिति बदली है। अब उल्टी धारा बह रही है। मुझे विश्वास है की इंडिया के गठबंधन मुझे डूबने नही देंगे। वहीं, मुन्ना शुक्ला ने कहा कि हमारा समीकरण सटीक है। हम लोग वैशाली और मुजफ्फरपुर दोनों जगह से सीट जीतने का काम करेंगे।

सुगौली में अनियंत्रित ट्रक की ठोकर से युवक की मौत

मोतिहारी। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में रक्सौल-सुगौली मुख्य मार्ग पर कॉलेज चौक के समीप ट्रक की ठोकर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना मंगलवार के पूर्वाह्न की है। बताया जा रहा है कि छपवा से रक्सौल जा रही एक तेज अनियन्त्रित ट्रक ने नगर पंचायत के कुरुम टोला निवासी शैलेश तिवारी को ठोकर मार दी,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ठोकर मारने के बाद चालक ट्रक छोड़ कर फरार हो गया। स्थानीय लोगो ने घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।जहां चिकित्सको ने उसकी नाजुक स्थिति देखते हुए मोतिहारी रेफर कर दिया।जहाँ उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर पंचायत क्षेत्र के कुरूम टोला निवासी चंद्र भूषण तिवारी के 35 वर्षीय पुत्र शैलेश तिवारी के रूप में हुई है। वही इस घटना की सूचना मिलते ही मृतक गांव में कोहराम मचा है।

मोतिहारी में होमियोपैथिक के जनक डॉक्टर हैनिमैन की मनाई गई जयंती

बीएनएम@मोतिहारी

होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएमएआई) पूर्वी चंपारण शाखा द्वारा होम्योपैथी के जन्मदाता डॉ हैनीमैन की 269वी जयंती समारोह पूर्वक शहर के एक निजी होटल में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ० अशोक कुमार एवं मंच संचालन डॉ० धीरज कुमार ने किया। बतौर मुख्य अतिथि जिला देशी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ०जे.पी सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। डॉ.सिंह ने कहा कि डॉ हनीमैन की देन है कि आज होम्योपैथी और होम्योपैथ चिकित्सक दोनों का विकास विभिन्न रोगों को ठीक करने की दिशा तेजी से हो रहा है। चिकित्सा को पठन पाठन करने की आवश्यकता है। इस मौके पर आगामी सत्र 2024-26 हेतु होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया पूर्वी चम्पारण के नये कार्यकारीणी का गठन भी किया गया। नये सत्र हेतु डॉ० एन० के दास को संरक्षक, डॉ० एमएम प्रसाद को अध्यक्ष, डॉ० धीरज कुमार को सचिव, डॉ० मृत्युंजय कुमार कोषाध्यक्ष, डॉ० राजेश श्रीवास्तव को केन्द्रीय प्रतिनिधि डॉ० अशोक कुमार राज्य-प्रतिनिधि संयुक्त सचिव नवेंद्र सिन्हा, डॉ एस सी पुकार, मिडीया प्रभारी डॉ० ए० अली व डॉ० आर० जायसवाल को बनाया गया। इस अवसर पर कई होम्योपैथ चिकित्सक मौजूद रहे।

बेतिया से संजय जायसवाल ने किया नॉमिनेशन

बीएनएम@बेतिया

मंगलवार को पश्चिम चंपारण लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी डॉक्टर संजय जायसवाल ने नॉमिनेशन का पर्चा दाखिल किया. इस दौरान उनके साथ बिहार के दो डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा मौजूद रहे. साथ ही जेडीयू के विधान पार्षद भीष्म सहनी और एलजेपीआर चीफ चिराग पासवान भी मौजूद थे. नॉमिनेशन से पहले दोनों डिप्टी सीएम के साथ संजय जायसवाल ने रोड शो भी किया. इस दौरान सम्राट चौधरी ने दावा किया कि बिहार की सभी सीटों पर एनडीए

जीतेगा. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की उम्मीदवार के रूप में संजय जायसवाल ने नामांकन किया है. पश्चिम चंपारण की जनता फिर से उन्हें लोकसभा भेज कर देश में लोकतंत्र स्थापित करने का काम करेगी. सम्राट ने कहा कि जब तक पीएम मोदी हैं, तब तक ओबीसी का आरक्षण दलितों का आरक्षण कोई छीन नहीं सकता है. वहीं, डिप्टी सीएम विजय सिंह ने कहा कि आजादी के कई वर्षों बाद भी कांग्रेस लोगों को बरगलाती रही. गरीबों और ओबीसी के विकास की चिंता नहीं की. देश के प्रधानमंत्री ने गारंटी दिया है, सबका साथ सबका विकास करेंगे. ओबीसी के अधिकार को छीनने का प्रयास जो करेगा तो होने नहीं देंगे. उन्होंने कहा कि बिहार में 40 सीटों पर एनडीए जीत दर्ज करेगा.

नामांकन से पहले भगवान की शरण में पहुंचे

बता दें कि नामांकन से पहले भाजपा प्रत्याशी डॉ संजय जायसवाल बेतिया के ऐतिहासिक काली धाम मंदिर में माता के दरबार में हाजिरी लगाई. उसके बाद दो डिप्टी सीएम और विधायक रेणु देवी के साथ रोड शो किया. बेतिया के बड़ा रमना मैदान में एक सभा को संबोधित किया गया, जहां चिराग पासवान भी मौजूद रहे.

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

गहनों की सजावट में है बेहतर भविष्य

किसी भी समारोह के लिए खूबसूरत कपड़ों के साथ गहनों का सुंदर मेल अलग ही रूप को निखारता है। दिन पर दिन ज्वेलरी का बढ़ता क्रेज युवाओं को इसमें करियर बनाने के लिए आकर्षित कर रहा है। अगर आप भी इस करियर की तरफ रुख करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए एक बेहतरीन करियर विकल्प साबित हो सकता है।

भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां ज्वेलरी का सबसे ज्यादा क्रेज रहता है। इसी वजह से से आज ज्वेलरी इंडस्ट्री भी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है। ज्वेलरी डिजाइनिंग के क्षेत्र में रचनात्मक होना बेहद जरुरी है । सबसे पहले ज्वेलरी डिजाइनर ब्रैंड्स या स्टोर्स की जरूरतों और पसंद को ध्यान में रखते हुए हाथ या कंप्यूटर के जरिये स्केच तैयार करते हैं। फिर इसके बाद डिजाइनर एक डिटेल ड्राइंग तैयार करते हैं। फिर बाद में सभीडिजाइन्स को फ्लोरल पैटर्न पर तैयार करने के बाद अलग-अलग ढांचों को एक साथ जोड़ा जाता है। डिजाइनर अपने डिजाइन को तैयार करते समय इस बात का खास ख्याल रखता है कि आखिर में उसका डिजाइन किस रॉ मटेरियल से तैयार होगा। सभी काम हो जाने के बाद डिजाइनर खुद कारीगरों के साथ लग कर आभूषण तैयार करता है।

ज्वेलरी डिजाइन कोर्स के दौरान आपको अलग-अलग पत्थरों से डिजाइन, रंग संयोजन, डिजाइन थीम, प्रस्तुति, कस्टम ज्वेलरी मेकिंग आदि सिखायी जाती है। इसी के साथ आपको कंप्यूटर से ज्वेल कैड, ऑटो कैड, थ्री डी स्टूडियो, फोटोशॉप, कोरल ड्रा, की जानकारी भी दी जाती है।

ज्वेलरी डिजाइन में करियर बनाने के लिए सबसे पहले इस क्षेत्र के प्रति आपकी रूचि और लगाव के साथ डिजाइनिंग की समझ बेहद जरुरी है। अगर आपने इस क्षेत्र में कदम रखने का सोच लिया है तो आपको हर कदम को धैर्य के साथ रखकर चलना होगा।

मन मुताबिक कीजिये शुरूआत

जैसा कि हमने आपको बताया कि ज्वेलरी डिजाइन में आगे बहुत मौके हैं। ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स करने के बाद आप किसी कम्पनी के साथ जुड़कर अपने काम की शुरूआत कर सकते हैं। इसी के साथ आप किसी ज्वेलरी डिजाइन हाउस, एक्सपोर्ट हाउस या फैशन हाउस आदि जगहों से अपने काम की शुरूआत कर सकते हैं। आप फ्रीलान्स के तौर पर भी अपना काम शुरू कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए वैसे तो आप 10वीं पास करके भी कर सकते हैं लेकिन हमारा मानना है कि इस क्षेत्र में आप12वीं पास करके ही कदम रखें। 12वीं पास करने के बाद आपको अपने कोर्स के लिए पूरा समय रहेगा और जैसा कि हमने आपको बताया कि ज्वेलरी डिजाइनिंग में सबसे ज्यादा जोर रचनात्मकता की तरफ दिया जाता है, तो आपके पास अपनी क्रिएटिविटी और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए इससे बढ़िया समय और कुछ नहीं होगा।

आईएएस बनना चाहते हैं तो लक्ष्य पर नजर रखें

सफलता

किसी ने सच ही कहा कि सफल व्यक्ति को सभी पूजते हैं या यूं कहें कि उन्हें एक सम्मानित दर्जा प्राप्त है। वैसे तो सफलता को एक लक्ष्य की उपलब्धि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। हालांकि सिर्फ एक लक्ष्य को प्राप्त करना ही हमारा मकसद नहीं है। वास्तव में यह एक कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है। एक बार जब आप एक लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं तो आप अगले लक्ष्य की तरफ अग्रसर हो जाते हैं। इस प्रकार सफलता हमारे जीवन की यात्रा बन जाती है। बेशक, लक्ष्य की स्थापना या निर्धारण हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं।

- अभिषेक सिंह

अगर आप अपने जीवन में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों और अवसरों के बारे में जान लेना चाहिए। बिना इसके आप अपने लक्ष्य में कामयाब नहीं हो सकते हैं। अपनी आत्मशक्ति और आत्मबल के आधार पर ही आप अपने को कामयाब बना सकते हैं। अगर आपका लक्ष्य पहले से निर्धारित होगा तो आप अपने जीवन में जरूर कामयाब होंगे। जिसमें किसी भी तरह का संदेह नहीं हो सकता है।

आपकी जागरूकता ही आपकी चेतना को जगाती है। पूर्ण जागरूकता ही आपकी सफ लता को आश्वस्त कर सकती है। यह आपके मन में एक प्रकाश की शुरूआत है। यह स्पष्टता के साथ एक कदम सच्चाई पर आधारित है। यह आपकी जागरूकता है कि आप वर्तमान में रहकर अपने भविष्य को संवारते हैं। इसे हम चेतना कह सकते हैं, भूतकाल में जीना या भविष्य के बारे में सपने देखना, जागरूकता नहीं हो सकती है।

मेरा मानना है कि व्यक्ति को हमेशा वर्तमान में जीना चाहिए। किसी ने सच कहा है कि यसटरडे इज हिस्ट्री, टूमारो अ मिस्टी, टूडे इज अ गिफ्ट। अतः निःसंदेह वर्तमान में जीना ही जागरूकता है।

अगर आप आईएएस बनना चाहते हैं तो आपको परीक्षा के तीनों चरणों को गंभीरता से समझने की जरूरत है। बिना तीनों चरण को समझें आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं। विभिन्न मुद्दों को गंभीरता से समझें। अगर आप वर्तमान में जीएंगे तो प्रश्नों का उत्तर पूरी तत्परता से देंगे अगर आप परीक्षा के परिणाम के बारे में सोचेंगे तो आप अच्छा प्रदर्शन परीक्षा में नहीं कर सकते हैं। अगर आप भूतकाल या भविष्य काल में जीएंगे तो आपको मानसिक तनाव हो जाता है आप अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाते हैं क्योंकि आपका सारा ध्यान आगे और पीछे में ही भटक कर रह जाता है और आप मौजूदा दौर के काम से भटक जाते हैं।

आप अपने को चयनकताओं के अनुसार प्रस्तुत करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। इसमें कोई भी संदेह नहीं है कि आपकी सफलता को कोई भी रोक सकता है। इस दौरान जरूरी है कि आप अपने सोच को सदा सकारात्मक बनाएं।

कभी-कभी यह भी होता है कि कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिलती है ऐसे में कुछ लोग हतोत्साहित हो जाते है। लेकिन जो अपने करियर के चोटी पर पहुंचता है वह अपनी असफ लता का कारण ढूढ़ता है और जल्द से जल्द उसे समाप्त करना चाहता है। ऐसे लोग जीवन में कभी भी पीछे नहीं रहते हैं वे सदा दिन-प्रतिदिन सफलता की सीढ़ी चढ़ते रहते हैं। एक बार जब आप अपना उद्देश्य तय कर लें तो आप अपने आत्मबल और आत्मविश्वास को कभी-भी डगमगाने नहीं दें।

सहज व्यक्ति ही बनता है विजेता

- डा.जगदीश सिंह दीक्षित

विनम्र व्यक्ति कभी भी अपनी कमजोरी दूसरों के समक्ष नहीं प्रकट करता। कमजोर व्यक्ति में स्वाभिमान नहीं होता और कहीं भी छोटा-सा झटका लगने पर वह समर्पण कर देता है, जबकि एक दृढ़ व्यक्ति कभी भी ऐसा नहीं करता, वह हर परिस्थिति में मजबूत बना रहता है। एक सहज व्यक्ति हमेशा जीतने में विश्वास रखता है।

विजेता निश्चित रूप से सहज और स्वाभिमानी होते हैं और यही गुण उनकी नैतिकता को बढ़ाते हैं। इसलिए ऐसे लोगों की गतिविधियों को समझने की कोशिश कीजिए।

अपनाएं वेट एंड वॉच की पालिसी

कई बार कुछ ऐसी चीजें घटती हैं कि हम उन्हें बिना समग्र रूप से जाने हुए घटना पर तुरंत टिप्पणी कर देते हैं। हम अक्सर इस बात में जल्दबाजी करते हैं जिसका असर हमारे व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। इसलिए हमें जब किसी घटना के संदर्भ में पूरी बात मालूम न हो तो..देखें और इंतजार करें (वेट एंड वॉच) की नीति अपनानी चाहिए।

जब तक हम सत्य को नहीं जानते, तब तक हम उस स्थिति या समस्या को समग्र रूप से नहीं जान सकते और जब हम सत्य को जान जाते हैं तो हमारी अपनी प्रतियिा ही हमें बुरी लगने लगती है। इसलिए, सबसे पहले समस्या को समझें, फिर प्रतिक्रया दें। कई बार हमारा शीघ्र निर्णय और त्वरित प्रतियिा हमें सफलता की ओर जाने से रोक देती है। अस्तित्व की सहिष्णुता ही सफलता का रहस्य है। सदैव शांत रहते हुए जीवन में उठने वाली हर प्रकार की तरंग का धर्य से सामना कीजिए।

- विजय उपाध्याय, मऊ।

मौके पैदा किए जाते हैं

देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का कहना था कि 'इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।' इसलिए हमें मौकों का इंतजार करने की बजाय वर्तमान हालात में ही अपने लिए मौके खोजने चाहिए। हर इंसान में किसी न किसी तरह की रचनात्मकता जरूर होती है। इसलिए हमें लगातार अपनी रचनात्मकता को निखारने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि हम अपने जीवन में और भी बेहतर कर सकें। क्रिएटिव वह है, जो केवल स्वप्न ही नहीं देखता बल्कि उन स्वप्नों को साकार करने के लिए काम करता है। क्रिएटिव वह है, जो अंधेरों में भी कूदने का साहस रखता है। क्रिएटिव वह है, जो चुनौतियों को स्वीकारने में तत्पर रहता है।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती

रोमन देशभक्त मार्क्स पोर्सियस केटो ने अस्सी साल की उम्र में ग्रीक भाषा सीखी। महान जर्मन-अमेरिकन कलाकार मैडम अर्नेस्टाइन शूमैन-हेंक दादी बनने के बाद अपनी संगीत सफलता के शिखर पर पहुंची। यूनानी दार्शनिक सुकरात ने वाद्ययंत्र बजाना तब सीखा, जब वे अस्सी साल के थे। माइकलएंजेलो अस्सी साल की उम्र में अपने सबसे महान कैनवास पर पेटिंग कर रहे थे। अस्सी साल की उम्र में सियोस सायमनाइडस ने कविता का पुरस्कार जीता, और लियोपॉल्ड वॉन रैंके ने अपनी हिस्ट्री आफ द वर्ल्ड शुरू की, जिसे उन्होंने बानवे साल की उम्र में पूरा किया। अठासी साल की उम्र में जॉन वेस्ली मेथोडिज्म पर भाषण के द्वारा मार्गदर्शन दे रहे थे।

चुनौतियों को स्वीकारें

शीर्षस्थ हार्ट सर्जन माइकल डेबेकी ने खून का पहला रोलर पंप 1932 में इजाद किया था। उनका बनाया पंप आज भी बाइपास सर्जरी में प्रयुक्त

होता है। नब्बे साल की उम्र में डॉक्टर डेबेकी को एक नए आविष्कार पर प्रयोग शुरू करने की अनुमति मिली। यह एक छोटा पंप था, जिसे गंभीर हृदय रोगियों के सीने में लगाया जा सकता था। डेबेकी सिर्फ शोध से ही संतुष्ट नहीं थे। वे सर्जरी भी करते रहे। उनके बारे में एक सहयोगी ने कहा था, 'उन्होंने जितना किया है, उतना करने के लिये बाकी लोगों को पांच-छह जन्म लेने पड़ेंगे। डेबेकी ने नब्बे साल की उम्र में अपने जीवनदर्शन का सार इस तरह से व्यक्त किया था, जब तक आपके सामने चुनौतियां हैं और आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से सक्षम हैं, तब तक जीवन रोमांचक और स्फूर्तिवान है।

प्रत्येक पल को उत्साह के साथ जीना चाहिए

मानव जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। ईश्वरीय प्रेम हमारे मस्तिष्क, हृदय तथा आध्यात्मिक शक्तियों के विकास का आधार है। लोक कल्याण की भावना से ओतप्रोत होकर सफल जीवन जीने के लिए प्रत्येक मनुष्य द्वारा इसी ईश्वरीय ज्ञान रूपी शक्ति का भरपूर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हम जैसा सोचते तथा करते हैं वैसा ही हो जाता है। हमारा अवचेतन मन इसे साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नया लक्ष्य निर्धारित करने के लिए बढ़ती उम्र कोई बाधा नहीं है। उत्साह सबसे बड़ी शक्ति है तथा निराशा सबसे बड़ी कमजोरी है। इसलिए हमें जीवन के प्रत्येक पल को पूरे उत्साह के साथ जीना चाहिए।

उद्देश्य, लक्ष्य और उत्साह ही किसी बनाते हैं चैंपियन

अधिकतर लोग समझते हैं कि सफल होने की एक उम्र होती है। यह ठीक है कि उम्र व्यक्ति की शारीरिक क्षमता कम कर सकती है, लेकिन उसके अनुभव, जुझारूपन और उत्साह को नहीं। उद्देश्य, लक्ष्य और उत्साह ही

इम्प्रूव योर नालेज

1-फिरदौस मंजिल किस मुगल राजा को कहा जाता था?

(क) मुहम्मद शाह रंगीला (ख) शाहआलम द्वितीय (ग) अकबर द्वितीय (घ) बहादुरशाह प्रथम

2-मेहरुन्निसा किस नाम से प्रचलित थी?

(क) नूरजहां (ख) मरियम जमनी (ग) सलीमा (घ) इनमें से कोई नहीं

3-सराब गुटका किस रहस्यवादी कवि की हस्तलिपि है?

(क) भगत पीपा (ख) कबीर (ग) सूरदास (घ) इनमें से कोई नहीं

4-कबीर किसके शिष्य थे?

(क) रामानंद (ख) वल्लभाचार्य (ग) चैतन्य महाप्रभु (घ) इनमें से कोई नहीं

5-अकबरनामा किस भाषा में है?

(क) फारसी (ख) चगताई (ग) उर्दू (घ) हिंदी

उत्तर- 1-ख, 2-क, 3-क, 4-क, 5-क।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

संपादकीय

लोकतंत्र में घटती आस्था

लोकतंत्र को जीवित रखना सार्वजनिक हित में है। लोकतंत्र को अब तक की सबसे अच्छी शासन प्रणाली माना गया है। ज्यादातर देश इसे पाने या बनाये रखने की रात-दिन कोशिशें कर रहे हैं लेकिन विश्वप्रसिद्ध ओपन सोसायटी फाऊंडेशन (ओएसएफ) की हालिया वह सर्वे रिपोर्ट चिंताजनक है जिसमें दुनिया के 42 प्रतिशत युवा अपने देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं बल्कि सैन्य शासन चाहते हैं। यह बदलती पसंद सारी दुनिया के लिये एक खतरनाक वैचारिक ट्रेंड हो सकता है। इस लिहाज से सर्वे रिपोर्ट यह संदेश भी देती है कि जिन लोगों पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को चलाने की जिम्मेदारी हैं, उन्हें ईमानदारी और समर्पण भाव से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने की आवश्यकता है- फिर वे चाहें सरकारें हों, संवैधानिक संस्थाएं हों, विपक्षी दल अथवा नागरिक हों। लोकतंत्र अगर लोगों की पहली वरीयता नहीं रह जाता तो निसंकोच यह माना जा सकता है कि दुनिया एक खतरनाक मोड़ पर जा खड़ी हुई है। यह फाऊंडेशन प्रसिद्ध अमेरिकी सांसद जॉर्ज सोरोस द्वारा स्थापित किया गया है जिसके लिये उन्होंने अपना 320 करोड़ अमेरिकी डॉलर देकर इसका काम दुनिया भर में फैलाया है। यह संस्था गैर बराबरी समाप्त करने की दिशा में काम करती है। सोरोस पिछले दिनों भारत में उस समय चर्चा में आये थे जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मित्र कारोबारी गौतम अदानी की कारगुजारियों पर सवाल उठाते हुए एक तरह से संकेत दिये थे कि भारत में निवेश सुरक्षित नहीं है। बहरहाल, जिस ओएसएफ सर्वे की यहां बात है वह 30 देशों में किया गया जिसके अनुसार 18 से 35 वर्ष के युवा अपने देशों में लोकतंत्र नहीं बल्कि सैन्य शासन चाहते हैं। साथ ही, 35 साल से अधिक उम्र के लोग सोचते हैं कि गरीबी, असमानता, जलवायु परिवर्तन आदि विषयों से निपटने में लोकतांत्रिक सरकारें सक्षम नहीं हैं। सबसे गम्भीर तथ्य जो उभरकर आया है वह यह कि केवल 30 फीसदी लोगों का ही अपनी सरकारों में भरोसा है। सरकारों में अविश्वास उन्हें लोकतांत्रिक पद्धति में भी अनास्था की ओर ढकेल रहा होगा। बमुश्किल कुछ ही दशकों पहले से लोकतंत्र सारी दुनिया की सबसे पसंदीदा शासन प्रणाली बनी है। जहां इस व्यवस्था को पहले-पहल लागू किया गया, उन्होंने मानवीय विकास की सुनहरी इबारतें लिखीं। इन्हें परिपक्व लोकतांत्रिक देशों के रूप में देखा जाता है। इनमें अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड, तमाम यूरोपीय देश हैं।

धरती को बचाने को करें जैव विविधता का संरक्षण

- डॉ. ओपी चौधरी

हम सभी को विशेष रूप से कोरोना काल मे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण की बात बखूबी समझ में आई। धरती पर जितने भी जीव -जंतु और वनस्पतियां हैं सभी का महत्व है, सभी की जरूरत है। नालंदा की माटी भगवान गौतम बुद्ध की ज्ञान की भूमि रही है। इसी जगह से पूरे विश्व को एक संदेश के रूप में भगवान गौतम बुद्ध का ज्ञान भरा संदेश प्रचारित और प्रसारित हुआ था। गौतम बुद्ध को ईसा से 528 वर्ष पूर्व बोधिवृक्ष (पीपल वृक्ष) के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था, जिससे ...

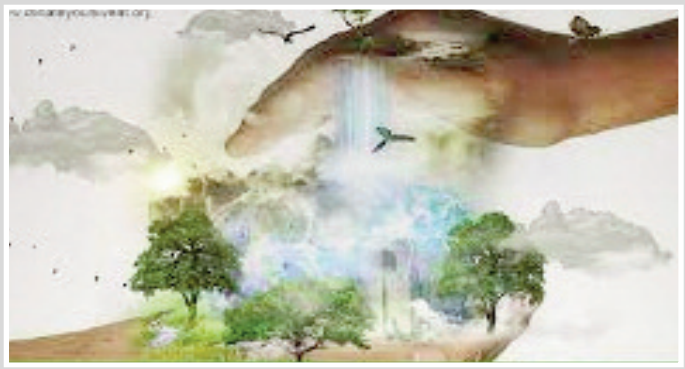

आज जैव विविधता एक मुख्य मुद्दा ही नहीं, अपितु सबसे बड़ी आवश्यकता है। पृथ्वी सम्मेलन' 1992 में रियो-डी-जनेरियो, ब्राजील में अनेक मुद्दों के साथ ही जैव विविधता के संरक्षण पर जोर दिया गया।सम्पूर्ण मानव जाति सहित मानवेतर के लिए भी जैव विविधता अत्यंत जरूरी है। प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता संरक्षण दिवस इस उद्देश्य से मनाया जाता है कि हम लोगों में जागरूकता ला सकें, उन्हें जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्रेरित कर सकें। 2011 - 2020 का पूरा दशक संयुक्त राष्ट्र संघ ने जैव विविधता के नुकसान को कम करने के लिए घोषित किया था।

हम सभी को विशेष रूप से कोरोना काल मे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण की बात बखूबी समझ में आई। धरती पर जितने भी जीव -जंतु और वनस्पतियां हैं सभी का महत्व है, सभी की जरूरत है।

नालंदा की माटी भगवान गौतम बुद्ध की ज्ञान की भूमि रही है। इसी जगह से पूरे विश्व को एक संदेश के रूप में भगवान गौतम बुद्ध का ज्ञान भरा संदेश प्रचारित और प्रसारित हुआ था। गौतम बुद्ध को ईसा से 528 वर्ष पूर्व बोधिवृक्ष (पीपल वृक्ष) के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था, जिससे यह प्रमाणित होता है कि यह बोधि वृक्ष एक पेड़ न होकर समाज में करुणा, शांति, सद्भावना सहित जीवन हेतु शुद्ध प्राणवायु अर्थात ऑक्सीजन भी देता है। आजकल तेजी से हो रही पेड़ों की कटाई के कारण न केवल वन क्षेत्र घट रहा है बल्कि जंगल पर निर्भर जीव - जंतुओं के लिए गम्भीर खतरा उत्पन्न हो गया है। खेती में बढ़ते कीटनाशकों का प्रयोग और मोबाइल टावर के रेडिएशन से मर रहे पक्षी। जीव - जन्तुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं।एक आँकड़े के अनुसार प्रतिदिन 4 प्रजातियां दुनियां से विलुप्त हो रही हैं। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है,पर्यावरण असंतुलन हो गया है।

पीपल, नीम, तुलसी अभियान लम्बे समय से पर्यावरण संरक्षण पर काम करते हुए जैव विविधता और मानव कल्याण के लिए प्रयासरत है।अनेक राज्यों में वृक्षारोपण अभियान चलाते हुए पटना गंगा ब्रिज पर नीम कॉरिडोर योजना पूरी कर अब ड्रीम प्रोजेक्ट बोधि वृक्ष कॉरिडोर योजना (राजगीर से लुम्बिनी नेपाल तक) को साकार करने के लिए प्रयासरत है।

प्रथम चरण में राजगीर से गया तक लगभग 70 किलोमीटर की दूरी तक बोधिवृक्ष पीपल के पेड़ लगाए जाऐंगे। प्रथम चरण का शुभारंभ 2 जुलाई, 2023 को पीपल, नीम, तुलसी अभियान के संस्थापक और बोधि वृक्ष कॉरिडोर योजना के जनक व समन्वयक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में होने जा रहा है। डॉ. सिंह का विचार है कि आज आम जनमानस तक यह संदेश पहुंचाने की जरूरत है कि बोधि वृक्ष की संख्या बढ़ने से पर्यावरण में ऑक्सीजन सहित समाज में शील, करुणा और प्रज्ञा का संचार होगा। बोधि वृक्ष लगाकर शांति, सहयोग, सद्भावना और स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण का संदेश दिया जायेगा। समाज में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ समाज और परिवार में वैचारिक प्रदूषण जैसे आपसी कलह, वैमनस्यता, कटुता, असहयोग आदि बढ़ता ही जा रहा है, उसमें भी कमी आएगी।

बोधिवृक्ष (पीपल) लगाकर प्राकृतिक आक्सीजन बैंक मिलेगा और बौद्ध सर्किट पर चलने वालों को सुखद छाया मिलेगी।पीपल परिवार की जन संख्या बढ़ाकर ही वातावरण में सकरात्मक उर्जा का प्रसार किया जा सकता है । साथ ही आम जीव -जंतु के संरक्षण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा।

इस पुनीत कार्य में हम सभी को अपने - अपने नाम से/पूर्वजों के नाम से एक बोधि वृक्ष लगाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम में अवश्य भाग लेना चाहिये। हमारा यह कार्य आगे आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करेगा।

(संयोजक, पीपल, नीम, तुलसी अभियान उ.प्र. इकाई)

भीड तंत्र के खतरों से अनभिज्ञ समाज

- संजीव ठाकुर

इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं। और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब ...

देश के कई राज्य हिंसा तथा चुनाव की प्रतिस्पर्धा से जल रहे हैं। मानवता चीत्कार कर रही है और आम नागरिक अपने जलते हुए घरों और परिजनों के मृत शव को देखकर भयभीत हो रहे हैं। मणिपुर और पश्चिम बंगाल की हिंसात्मक घटनाओं को देखकर धीरे-धीरे सामाजिक न्याय पर विश्वास उठता जा रहा है जब मंत्रियों के घरों में आग लगाई जा सकती है तो आम आदमी कि कोई अहमियत नहीं रह गई है। राज्य सरकारें हाथ में हाथ धरे बैठी केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है बड़ी विभीषिका के दृश्य सामने आ रहे है।

भीड़ तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लीचिंग।

वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है ।यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं।

और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है।

भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है। और सिगमंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुंच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है। लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा चौथा स्तंभ मीडिया भी जन जागरूकता के प्रचार प्रसार के बजाय घटनाओं को धर्म तथा वर्ग के आधार पर विशेष वर्ग के हितों को प्रचारित प्रसारित करता है, जो इस आदिम कॉल की व्यवस्था को पुष्पित पल्लवित करता है।

(लेखक-चिंतक, रायपुर, छत्तीसगढ़)

काव्य सृजन

सड़क की पीड़ा

मैं ने सुनी हैं उसकी आहटें
मौन पीड़ा और अकुलाहटें
वह बिलखती और तड़पती
भी है
आँसूओं से नहाती भी है
लेकिन...
उसकी आवाज मौन है
क्योंकि वह एक सड़क है !
अब वह अकेली है
उजड़ गए हैं उसके श्रृंगार
विस्तार के लिए काट दिए
गए पेड़
वह अब नंगी और बेजान है
क्योंकि...
उसका अपनापन लूट गया
अब गर्म सूरज उसे
पिघलाएगा
बारिश उसे भिगोएगी
वाहनों की चोट से वह
घायल होगी
अपना सुख-दुःख भी नहीं
बाँट पाएगी
क्योंकि...
विस्तावाद में उसने अपनों को
खो दिया
अब धूप में पिघलना, बारिश
में भींगना
गर्मी से जलना और ठंड में
सिकुड़ना
उसकी नियति होगी
क्योंकि...
उसका अपनापन लुट गया ?

-प्रभुनाथ शुक्ल
(वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक)

विज्ञान से जुड़ी बातें

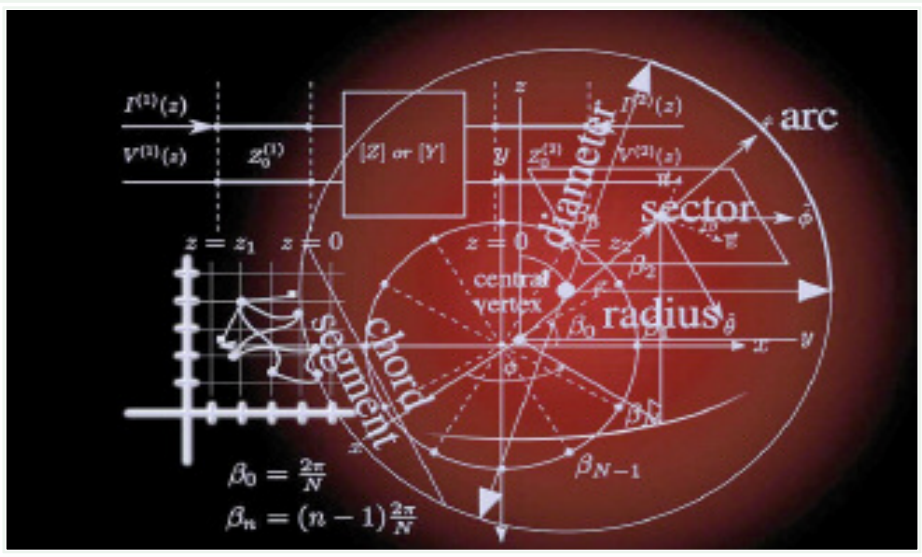

■ **वजन** - सर आइजक न्यूटन को तो आप जानते ही होंगे। यह उन गिने चुने लोगों में से हैं, जिन्होंने हमारे पृथ्वी को देखने की नजरिया को काफी बेहतरीन ढंग से बदल दिया है। जब इन्होंने 1687 को गुरुत्वाकर्षण की खोज की थी तो दुनिया भर में हैरानी की लहर प्रवाहित हो गयी थी। दोस्तों क्या आपको पता है की! गुरुत्वाकर्षण शक्ति की विविधता के चलते अगर किसी एक व्यक्ति का पृथ्वी में वजन 90 किग्रा है तो चाँद में उसका वजन बढ़ कर 106.5 किग्रा और मंगल में घट कर 34.473 किग्रा हो जाएगा।

■ **बिजली** - मनुष्य के लिए समंदर भी अंतरिक्ष की तरह बहुत ही अंजान है। अगर आप विज्ञान की रोचक बातों के बारे में संधान करेंगे तो आपको यहाँ पर भी कुछ ना कुछ सीखने की बात जरूर मिलेगा। समंदर में इलेक्ट्रिक ईल्स नाम का एक जीव रहता है जो की 500 वोल्ट तक बिजली पैदा कर सकती है। विज्ञान के बारे में जितना भी जानो उतना ही कम है।

■ **प्रकाश** - अगर आपसे पूछा जाए की दुनिया में सबसे तेज चलने वाली चीज क्या है तो ? आपका जवाब शायद कोई स्पेश शटल का रॉकेट या कोई वाहन का नाम होगा। पर आपको हम बता दें की एक सेकंड में प्रकाश की गति 299792458 एम/एस है। यानी अब तक के मानव के द्वारा बनाई गयी रॉकेट से तेजी में हजारों गुना ज्यादा।

■ **पानी** - बच्चों के लिए विज्ञान से जुड़ी रोचक बातों की सूची में आगे आता है पानी। जी हाँ ! आपने सही सुना पानी। अब आपके मन में जरूर सवाल उठा होगा की भला पानी में अब ऐसी कौन सी खास बात आ गयी। आपको जान कर आश्चर्य होगा की पानी भी गुरुत्वाकर्षण शक्ति के विपरीत काम कर सकता है। भौतिक विज्ञान में उंस्र''१८ अूइ्ल्ल की तहत यह बात सिद्ध हो चुकी है की, पानी भी नीचे से ऊपर की और बह सकता है।

बाल पहेलियां

डॉ. कमलेन्द्र कुमार
रावगंज, कालपी, जालौन

1- तीन भुजाएं ऐसी आईं ,
जुड़ कर बच्चों क्या कहलाईं?
आकृति रेखागणित की मानो,
जल्दी से इसको पहचानों।

2- तीन खम्ब जब मिले समान,
बने बीच में कोण समान।
इस आकृति का नाम बताओ ,
बोलो बच्चों बुद्धि लगाओ।

3- दो भुजा दो कोण समान,
झट बतलाओ उसका नाम ।
गणित आकृति उसको मानो,
रानी राधा तुम पहचानो।

4- तीन भुजायें जब जुड़ जाएं,
बोलो आकृति क्या कहलाए ?
न तो भुजा समान न कोण समान,
बोलो राधा रामू राम।

5- तीन अक्षर का मेरा नाम,
जल ही जल तुम पाओ।
सागर मुझको समझ न लेना,
जल्दी से बतलाओ।

6-जिस दिश जाएं सूरज दादा,
उस दिशि मैं हो जाती हूँ ।
राम, श्याम और मनोहर,
बोलो क्या कहलाती हूँ

उत्तर 1- त्रिभुज, 2-समबाहु त्रिभुज, 3-समद्विबाहु त्रिभुज, 4-विषमवाहु त्रिभुज, 5-झरना, 6- सूरजमुखी।

दीदी का पत्र बच्चों के नाम

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा और हम

प्यारे बच्चों,

वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त (परेशान, इन प्राब्लम) है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। चूंकि यह एक शुरूआत भर है, इसलिए अगर हम अभी से नहीं संभले तो भविष्य और भी भयावह (हारिबल, डार्कनेस) हो सकता है। पहले हम यह जान लें कि आखिर ग्लोबल वार्मिंग है क्या। जैसा कि नाम से ही साफ है, ग्लोबल वार्मिंग धरती के वातावरण के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी है। हमारी धरती प्राकृतिक तौर पर सूर्य की किरणों से उष्मा (हीट, गर्मी) प्राप्त करती है। ये किरणें वायुमंडल (एटमास्पिफयर) से गुजरती हुई धरती की सतह (जमीन, बेस) से टकराती हैं और फिर वहीं से परावर्तित (रिफलेक्शन) होकर पुनः लौट जाती हैं। धरती का वायुमंडल कई गैसों से मिलकर बना है जिनमें कुछ ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं। इनमें से अधिकांश (मोस्ट आफ देम, बहुत अधिक) धरती के ऊपर एक प्रकार से एक प्राकृतिक आवरण (लेयर, कवर) बना लेती हैं। यह आवरण लौटती किरणों के एक हिस्से को रोक लेता है और इस प्रकार धरती के वातावरण को गर्म बनाए रखता है। मनुष्यों, प्राणियों और पौधों के जीवित रहने के लिए कम से कम 16 डिग्री सेल्शियस तापमान आवश्यक होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीनहाउस गैसों में बढ़ोतरी होने पर यह आवरण और भी मोटा होता जाता है। ऐसे में यह आवरण सूर्य की अधिक किरणों को रोकने लगता है और फिर यहीं से शुरू हो जाते हैं ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव। ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार तो मनुष्य और उसकी गतिविधियां ही हैं। अपने आप को इस धरती का सबसे बुद्धिमान प्राणी समझने वाला मनुष्य अनजाने में या जानबूझकर अपने ही रहने के स्थान को खत्म करने पर तुला हुआ है। इसे हमें रोकना होगा। अधिक से अधिक पौधारोपण कर हरियाली बढ़ानी होगी। तो आज से ह जुट जाएं हरियाली और जल के संरक्षण में।

तुम्हारी,
प्राची दीदी

बाल गीत

चिड़िया घर

आज गए हम चिड़िया घर में,
देखे दृश्य अनूठे ।
भालू, चीते, हिरण, जेब्रा,
घूम रहे कुछ बैठे ।
हिंसक पशु बाड़े के अंदर,
कड़ी सुरक्षा में ।

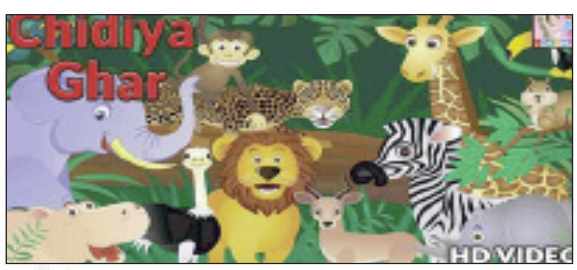

क्यों? बतलाया था मैडम ने,
हमको कक्षा में ।
इनको अगर खुला छोड़ा तो,
जन जीवन खतरे में ।
इसीलिए इनको रक्खा है,
बाड़े में पिंजरे में ।
रंग - बिरंगे तोते देखे,
मोर नाचते प्यारे ।
बतख तैरतीं जल में देखीं,
नीली झील किनारे ।
शेर, बाघ,गैंडा, दरयाई
घोड़ा, भारी हाथी ।
आसी, अंश, आद्या, अविरल,
परी, पूर्वज साथी ।

- श्याम सुन्दर श्रीवास्तव 'कोमल'
लहार, भिण्ड (म. प्र.)

गरीब मछुआरा और जलपरी

बाल कहानी

-बद्री प्रसाद वर्मा

बहुत समय पहले की बात है एक गांव रामपुर में एक गरीब मछुआरा रहता था। वह अपनी छोटी सी नाव से सरयू नदी में रोज मछलियां पकड़े जाता था। जो मछलियां मिल जाती उसे बाजार में बेचकर अपना और परिवार का पेट पालता था।

मछलियां पकड़ कर उसे बाजार में बेचकर मछुआरा चाहता था मैं भी अमीर बन जाऊं और मेरा भी घर झोपड़ी की जगह पक्का बन जाए पर गरीबी उसका पीछा नहीं छोड़ रही थी।

एक रोज मछुआरा अपनी जाल ले कर नदी तट पर आया और नदी में जाल फेक कर मछलियां पकड़े कोशिस करने लगा। सुबह से दोपहर हो गई मगर आज जाल में एक भी मछली नहीं फंसी मछुआरा निराश हो गया और सोचने लगा आज घर में भोजन नहीं बन पाएगा और हम सब को भूखा सोना पड़ेगा।

मछुआरा को सुबह से शाम हो गई मगर उसके जाल में एक भी मछली नहीं फंसी। मछुआरा निराश हो कर घर जाने लगा तभी एक बौना व्यक्ति सामने आ गया और मछुआरे से बोला तुम आज बहुत निराश दिखाई दे रहे हो, क्या मैं इसका कारण जान सकता हूं? "

बूढे बौने की बात सुनकर मछुआरा सारी बात सचसच बता दिया।

मछुआरा की बात सुनकर बौना बोला तुम मेरा कहा मान कर एक बार और जाल को नदी में फेको जरुर बड़ी मछली फंस जाएगी। और तुम्हारी सारी गरीबी दूर हो जाएगी।

इतना कह कर बौना वहां से चला गया।

मछुआरा बौने की बात मान कर फिर नदी में जाल फेंका जब मछुआरे ने जाल निकाला तो देखा उसके जाल में जलपरी मछली फंसी हुई है। जलपरी मछली को देख कर मछुआरा बहुत खुश हुआ उसने सोचा अगर इस मछली को राजा को बेचूंगा तो बहुत रुपया मिलेगा। अभी मछुआरा सोच ही रहा था कि तभी जलपरी मछली बोल पड़ी वो मछुआरे अगर तुम मुझे राजा को न बेच कर वापस नदी में छोड़ दोगे तो मैं तुमको दौलत से माला माल कर दूंगी।

दौलत का नाम सुनकर मछुआरा जलपरी को वापस नदी में छोड़ने को राजी हो गया। तभी जल परी ने अपने हाथ में पहनी सोने का एक कड़ा निकाल कर मछुआरे को दे कर बोली तुम इस जादुई कड़ा से जितना चाहो सोना चांदी हीरा मोती और जो भी खाने की चीजें मांगोगे सब तुम्हारे पास आ जाएगा। जब तुम बहुत बड़े अमीर बन जाना तो मेरे इस कड़े को नदी में वापस डाल देना कड़ा हमें मिल जाएगा। फिर कभी गरीबी आएगी तो मैं तुम्हारी फिर मदत करुंगी ।मछुआरा कड़ा ले कर वापस घर चला आया और जलपरी मछली को वापस नदी में छोड़ दिया।

कुछ ही महीनों में मछुआरा बहुत बड़ा अमीर आदमी बन गया। उसका घर पक्का का बन गया। छोटी से बड़ी नाव खरीद लिया और दौलत से माला माल हो गया । वह मछली का बहुत बड़ा व्यापारी बन गया। उसके बीवी बच्चे सुख से रहने लगे।

बॉर्डर न्यूज मिरर
मोतिहारी मिरर
पटना, बुधवार, 01 मई 2024

अक्षय कुमार की भांजी भी फिल्मों में करेगी डेब्यू

अमिताभ बच्चन के नाति अगस्त्य नंदा के साथ बड़े पर्दे पर आएंगी नजर

बॉलीवुड में एक स्टार किड का नाम शामिल होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि अभिनेता अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी अब बॉलीवुड में इंट्री करने जा रही हैं। अंधाधुन, बदलापुर और एक हसीना थी जैसी फिल्म बना चुके निर्देशक श्रीराम राघवन की आनेवाली फिल्म इक्कीस से सिमर बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं।

सिमर भाटिया, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जहां अक्षय के साथ कई फिल्में प्रोड्यूस करने के बावजूद वो लाइमलाइट से दूर ही रहीं।

मगर उनकी बेटी सिमरन हमेशा से एक्टिंग में इंटरेस्ट लेती रही हैं और अब वो अपना सपना पूरा करने के लिए एक फिल्म सेट पर आने को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं.' बताया जा रहा है कि 'इक्कीस' में सिमर का रोल बहुत बड़ा नहीं बताया जा रहा है और उन्होंने फिल्म में अपने हिस्से का ज्यादातर शूट पूरा भी कर लिया है।

मामा के बिना मिली फिल्म

बताया गया कि सिमर ने एक आउटसाइडर की तरह इंडस्ट्री में एंट्री ली है. उनके मामा अक्षय कुमार, बड़े आराम से उन्हें एक बड़े लॉन्च का प्लेटफॉर्म दे सकते थे, लेकिन सिमर ने ऑडिशन देकर अपना डेब्यू प्रोजेक्ट पाया है।

अगस्त्य के साथ फिल्म में लीडिंग लेडी कौन होंगी, अभी तक इस बात पर सस्पेंस बना हुआ था। मगर अब ऐसी रिपोर्ट्स आ रही हैं कि 'इक्कीस' में अगस्त्य के साथ लीडिंग लेडी को भी फाइनल कर लिया गया है।

अगस्त्य नंदा के साथ आएंगी नजर

इक्कीस में लीड एक्टर के रूप में अमिताभ बच्चन के नाति अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। बता दें दिनेश विजन के प्रोडक्शन में बन रही 'इक्कीस', सबसे कम उम्र में परमवीर चक्र जीतने वाले, अरुण खेतरपाल की लाइफ पास बेस्ड है।

अगस्त्य की यह पहली फिल्म होगी, जो सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इससे पहले अगस्त्य ने पिछले साल द आर्चीज से डेब्यू किया था. लेकिन यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

पेंगोंग लेक: इतनी खूबसूरत कि नजरें हटाने का मन नहीं करेगा!

प्रत्येक घुमक्कड़ का सपना होता है कि जीवन में कम से कम एक बार लद्दाख अवश्य जाया जाए। लेकिन लद्दाख की यात्रा पेंगोंग झील के बिना पूरी नहीं होती। यह झील है ही इतनी खूबसूरत कि यहां सभी लोग खिंचे चले आते हैं। इस झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 4,300 मीटर यानी 14,000 फीट है और यह संसार की सबसे बड़ी खारे पानी की झीलों में से एक है।

पेंगोंग झील 150 किमी लंबी है, जिसमें से एक तिहाई भारत में है और दो तिहाई तिब्बत में। झील की चौड़ाई 4 से 5 किमी है। इसके किनारे कई गांव स्थित हैं, जिनमें लुकुंग, स्पांगमिक, मान और मेरक प्रमुख हैं।

लेह से पेंगोंग झील की दूरी 150 किमी है। लेह से पेंगोंग जाने का यह रास्ता अत्यधिक खूबसूरत और रोमांचकारी है। लेह से चलते हैं तो पहले कारू नामक स्थान आता है। लेह से कारू का रास्ता सिंधु नदी के साथ-साथ चलता है और रास्ते में कई प्रसिद्ध मोनेस्ट्री भी मिलती हैं। कारू से आप मेन रोड छोड़ देते हैं और चांग-ला की तरफ चलते हैं। चांग-ला 5,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक दर्रा है। कारू से चांग-ला का रास्ता चढ़ाई भरा है और जैसे-जैसे आप ऊपर चढ़ते जाते हैं, आपको दूर-दूर तक के शानदार नजारे दिखते जाते हैं।

चांग-ला अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है, इसलिए यहां सालभर खूब ठंड होती है और यहां की हवा में ऑक्सीजन की मात्रा भी काफी कम होती है, इसलिए यहां ज्यादा देर ठहरने की सलाह नहीं दी जाती। चांग-ला के बाद रास्ता उतराई भरा है और दुरबुक तक उतराई ही रहती है। दुरबुक से पेंगोंग का 50 किमी का रास्ता लगभग समतल ही है। इस समतल हिस्से में आपको जलधाराएं मिलेंगी, हरियाली मिलेगी, घास के मैदान मिलेंगे और इन मैदानों में भेड़-बकरियां चरती हुई मिलेंगी। कहीं-कहीं दलदली भूभाग भी मिलेगा, जहां आपको कई तरह के पक्षी मिल जाएंगे, जिनमें रडी शैलडक, बार हेडेड गूज, स्नोकॉक और गुल देखने को मिल सकते हैं।

रास्ते का आनंद लेते हुए आप आखिरकार पेंगोंग झील के किनारे पहुंच जाते हैं। गहरे नीले पानी की यह झील वास्तव में बहुत खूबसूरत है और इससे नजरें हटाने का मन नहीं करता। झील का एक-एक कोना फोटोजेनिक है। झील के पीछे के भूरे, लाल, पीले पहाड़ों का प्रतिबिंब झील में पड़ता है तो यह और खूबसूरत लगता है। सुबह का अहसास अलग होता है, दोपहर का अलग, शाम का अलग और रात का अलग। आसमान में अगर बादल भी हों, तो कहने ही क्या! तिब्बत सीमा और सामरिक दृष्टि से संवेदनशील स्थान होने के बावजूद भी यहां लाखों यात्री घूमने आते हैं।

इनर लाइन पास

लद्दाख के सीमावर्ती स्थानों पर जाने के लिए आपको इनर लाइन पास लेना आवश्यक है। यह पास ऑनलाइन बन जाता है और इसे आप स्वयं भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको यह बताना होगा कि आप कब और किन-किन सीमावर्ती स्थानों पर जाना चाहते हैं। इसका एक मामूली शुल्क है, जो ऑनलाइन जमा हो जाता है। जब आप पेंगोंग की तरफ जाते हैं, तो कई स्थानों पर इसे चेक किया जाता है। वैसे तो मोबाइल में दिखाने से ही काम चल जाता है, लेकिन आपको इसके 4-5 प्रिंटआउट करा लेने चाहिए।

एक्यूट माउंटेन सिकनेस

पेंगोंग झील समुद्र तल से 14,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन बहुत कम होती है और आपको सांस लेने में समस्या हो सकती है या आपको बार-बार सांस चढ़ सकती है या सिरदर्द हो सकता है। ये एएमएस यानी एक्यूट माउंटेन सिकनेस के लक्षण होते हैं। इससे बचने के लिए आप फिजिकल एक्टिविटी कम से कम करें, भागदौड़ बिल्कुल न करें, ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, खूब भोजन करें। टैक्सी से जा रहे हैं तो लेह से अपने साथ ऑक्सीजन सिलेंडर अवश्य रख लें। यदि ज्यादा समस्या हो रही है तो वापस लेह लौट जाएं।

कहां ठहरें?

पेंगोंग झील के किनारे ठहरना अलग ही अनुभव होता है। यहां लुकुंग और स्पांगमिक के आसपास बहुत सारे कैंप हैं, जो ठहरने की लग्जरी सुविधाएं देते हैं। इनके अलावा गांवों में होमस्टे और कुछ होटल भी मिल जाएंगे। सर्दियों में सारे कैंप बंद हो जाते हैं, जो अप्रैल के आखिर में खुलते हैं और सितंबर तक खुले रहते हैं। कुछ होमस्टे पूरे साल खुले रहते हैं। अगर समय की कमी है तो सुबह लेह से चलकर शाम तक वापस लेह भी लौट सकते हैं।

कैसे जाएं?

लेह तक आप सड़क या वायु मार्ग से आसानी से पहुंच सकते हैं। लेह से पेंगोंग जाने के लिए आपको टैक्सी करनी पड़ेगी। इस रूट पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा अच्छी नहीं है। यदि आप एडवेंचर के ज्यादा ही शौकीन हैं तो लेह से किराये पर बाइक भी ले सकते हैं।